# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
## एम०ए० हिन्दी
## पार्ट-I, पत्र-I
## (हिन्दी साहित्य का इतिहास)
***वार्षिक परीक्षा, 2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. हिन्दी साहित्य के काल विभाजन की समीक्षा कीजिए ।
2. रासो काव्य से आप क्या समझते हैं? रासो साहित्य की विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए।
3. आदिकालीन काव्य की भाषा–शैली का निरूपण कीजिए ।
4. "भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग है" तर्क सम्मत उत्तर दीजिए ।
5. प्रेममार्गी शाखा के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
6. कृष्णकाव्य परम्परा में सूर का स्थान निर्धारित कीजिए ।
7. रीतिकाल की पूर्ववर्ती एवं उत्तरवर्ती सीमा का निर्धारण करते हुए रीतिकाल के प्रवर्त्तक का नामोल्लेख तर्कसहित कीजिए ।
8. रीतिकाल की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए ।
9. रीतिसिद्ध धारा का परिचय देते हुए सिद्ध कीजिए कि बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं ।
10. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
    - (क) मिश्रबन्धु
    - (ख) सिद्ध–नाथ साहित्य
    - (ग) तुलसी के राम
    - (घ) वल्लभाचार्य

• • •

***Examination Programme-2013***
**M.A. Hindi, Part–I**

| *Date* | *Paper* | *Time* | *Examination Centre* |
|---|---|---|---|
| 16.07.2013 | Paper–I | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 18.07.2013 | Paper–II | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 20.07.2013 | Paper–III | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 22.07.2013 | Paper–IV | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 24.07.2013 | Paper–V | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 26.07.2013 | Paper–VI | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 30.07.2013 | Paper–VII | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |
| 01.08.2013 | Paper–VIII | 8.00 AM to 11.00 AM | Nalanda Open University, Patna |

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-II

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर लेख लिखिए ।
2. "कबीर आज भी प्रासंगिक हैं" – इस कथन का तर्कसम्मत विवेचन कीजिए ।
3. जायसी के नख–शिख वर्णन की विशेषताओं का आकलन कीजिए ।
4. भक्ति रस के अन्यतम कवि होने के बावजूद सूर ने अत्यंत सुन्दर प्रकृति चित्रण किया है– सिद्ध कीजिए ।
5. "विनय–पत्रिका" के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए ।
6. बिहारी की काव्य–कला की समीक्षा कीजिए ।
7. घनानन्द का प्रकृति–वर्णन किस प्रकार अन्य कवियों से भिन्न है, स्पष्ट कीजिए ।
8. भूषण की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए ।
9. टिप्पणियाँ लिखिए :–
   (क) समाज सुधारक कबीर
   (ख) रीति–काव्य में नीति
10. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–
    (क) सखि हे हमर दुखक नहि ओर ।
    इ भर बादर, माह भादर, सून मंदिर मोर ।
    झंपिघन गरजति संतत, भुवन भरि बरसंतिया ।
    कन्त पाहुन काम दारून, सघन खर सट हंतिया ।
    कुलिस कत सतपात मुदित मयूर नाचत भातिया ।
    मत्त दादुर डाक डादुक परकाटि जायत छातिया ।
    तिमिर दिग भरि घोर जामिनी अथिर बिजुरिक पॉतिया ।
    विद्यापति कह केना गमाओब हरि बिना दिन रातिया ।

    (ख) या अनुरागी चित्त की गति समझै नहि कोई ।
    ज्यौं ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होई ।
    कहा लड़ैते दृट्ट करे, परे लाल बेहाल
    कहूँ मुरली, कहूँ पीत पटु, कहूँ मुकटु बनमाल ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-III

(हिन्दी कथा–साहित्य)

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 80

*प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुये कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

### *खण्ड–क*

1. "गोदान" की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।
2. "सुनीता" में प्रतिपादित जैनेन्द्र के जीवन दर्शन का विश्लेषण कीजिए ।
3. उपन्यास कला की दृष्टि से "बाणभट्ट की आत्मकथा" उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।
4. "मैला आँचल" में चित्रित राजनैतिक–सामाजिक स्थितियों पर प्रकाश डालिए ।
5. होरी, हरिप्रसन्न अथवा वाणभट्ट में से किसी एक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

### *खण्ड–ख*

6. कहानी के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
7. "कफन" कहानी के वैशिष्ट्य की समीक्षा कीजिए ।
8. चम्पा का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
9. "जाह्नवी" के आधार पर जैनेन्द्र के प्रेम सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए ।
10. "हीरामन सचमुच हीरा है" – इस कथन की परीक्षण कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-IV

(भाषा विज्ञान)

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. भाषा–विज्ञान की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों की विवेचना कीजिए ।
2. भाषा की परिभाषा देते हुए उसकी प्रकृति की व्यापकता पर प्रकाश डालिए ।
3. ध्वनि नियमों का परिचय दीजिए ।
4. शब्द की परिभाषा देते हुए इसकी विशेषताएँ बताएँ ।
5. सम्बन्ध–तत्व तथा अर्थ–तत्व के सम्बन्ध में विचार कीजिए ।
6. वाक्य–गठन में परिवर्तन की चर्चा के क्रम में पद–क्रम, स्वराघात तथा पद–लोप को स्पष्ट कीजिए ।
7. अर्थ–परिवर्तन के कारणों की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए ।
8. भाषा का मनस्तात्विक संदर्भ रेखांकित कीजिए ।
9. भाषा–अध्ययन के प्रमुख यूरोपीय स्कूलों का परिचय दीजिए ।
10. कोश–निर्माण की सैद्धांतिक प्रक्रिया को रेखांकित कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
## एम०ए० हिन्दी
## पार्ट-I, पत्र-V
## (काव्य शास्त्र)
***वार्षिक परीक्षा–2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. काव्य के विविध हेतुओं पर विचार करते हुए उसके मुख्य हेतु के सम्बन्ध में अपना मंतव्य स्थापित कीजिए ।
2. अलंकार सम्प्रदाय की मान्यताओं पर विचार करते हुए बतलाइए कि अलंकार को काव्य की आत्मा मानना कहाँ तक समीचीन है ।
3. रस के विविध भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
4. रस–निष्पति के सम्बन्ध में भट्टनायक की उद्भावनाओं का परिचय देते हुए उसकी समीक्षा कीजिए ।
5. साधारणीकरण और रस के सम्बन्धों की विवेचना कीजिए ।
6. अर्थालंकार के प्रमुख भेदों पर विचार कीजिए ।
7. रीति सम्प्रदाय की प्रमुख स्थापनाओं का विवेचन कीजिए ।
8. वक्रोति का शास्त्रीय अर्थ निरूपित करते हुए उसके भेदों का परिचय दीजिए ।
9. ध्वनि–काव्य के भेदों का परिचय दीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–

    अपह्नति, दृष्टांत, उपमा, उल्लेख

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
## एम०ए० हिन्दी
## पार्ट-I, पत्र-VI
## (हिन्दी से इतर भारतीय साहित्य)
***वार्षिक परीक्षा–2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. वेदों का परिचय दीजिए ।
2. वाल्मीकीय रामायण के प्रतिपाद्य को अपने शब्दों में लिखिए ।
3. संस्कृत के नाट्य–साहित्य का परिचय दीजिए ।
4. संस्कृत के सन्देशकाव्यों की मार्मिकता का विवेचन कीजिए ।
5. मलयालम–उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
6. गुजराती साहित्य की वैष्णव भक्तिधारा के कवियों का परिचय दीजिए ।
7. बंगला के प्रेमाख्यानक काव्यों का परिचय दीजिए ।
8. उर्दू के कहानी–साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
9. तमिल साहित्य के इतिहास के काल–विभाजन का उल्लेख करते हुए, सभी युग की साहित्य रचना का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) जैन युग (कन्नड़)
    (ख) सरस्वतीचन्द्र (गुजराती)
    (ग) अभिज्ञान शाकुन्तलम (संस्कृत)
    (घ) आनन्दमठ (बंगला)

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-I, पत्र-VII

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

***वार्षिक परीक्षा–2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी से क्या तात्पर्य है? सामान्य भाषा और प्रयोजनमूलक भाषा के अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।

2. स्त्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए अनुवाद की विभिन्न प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालिए ।

3. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

4. निम्नलिखित शब्दों के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द दीजिए :–

| | | |
|---|---|---|
| (i) Subjudice | (ii) Recommendation | (iii) Quotation |
| (iv) Project | (v) Privilege | (vi) up gradation |
| (vii) Vacancy | (viii) with reference to | (ix) Probation |
| (x) Ordinance | (xi) Nomination | (xii) Miscellaneous |
| (xiii) In due course | (xiv) Habeas Corpus | (xv) Plebiscite |
| (xvi) Abeyance. | | |

5. टिप्पणी को परिभाषित करते हुए उसके विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए ।

6. कार्यावली प्रारूप कितने प्रकार के होते हैं ? परिचय दीजिए ।

7. दान–पत्र किसे कहते हैं ? दान–पत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए ।

8. "विज्ञापन" और विज्ञापन–लेखन विधि पर प्रकाश डालिए ।

9. समाचार किसे कहते हैं ? समाचार लेखन कला की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

10. अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :–

नियत आय वाले जनसाधारण तो निस्सहाय रह जाते हैं । पंचवर्षीय योजनाओं का अभीष्ट तो यही था कि आम लोगों का जीवन–स्तर ऊपर उठाया जाए और देश से गरीबी हटायी जाय । किन्तु उनका उद्‌देश पूरा नहीं हुआ, क्योंकि देश में जो भी आर्थिक लाभ हुए, उन्हें मुट्‌टी भर लोगों ने अपने पास समेट कर रख लिया । फलस्वरूप देश के विशाल जन समुदाय को दोनों समय भरपेट भोजन तक नसीब नहीं होता है ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
## एम०ए० हिन्दी
## पार्ट-I, पत्र-VIII
## (हिन्दी आलोचक एवं आलोचना)
***वार्षिक परीक्षा, 2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. परम्परा परिवर्तन और विकास के तहत आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास परक दृष्टि को रेखांकित कीजिए ।
2. आचार्य शुक्ल की आलोचना पद्धति की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए ।
3. आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी की आलोचना के मानदंड की समीक्षा कीजिए ।
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि व्यापक एवं स्वतंत्र है– स्पष्ट कीजिए ।
5. शुक्लोत्तर समीक्षा में गुलाबराय के योगदान पर विचार कीजिए ।
6. ''डॉ० नगेन्द्र में साहित्यिक इतिहास लेखन का एक तर्क संगत और विश्वसनीय आधार है'', उनके मतो के आलोक में इस कथन का परीक्षण कीजिए ।
7. आलोचना के क्षेत्र में पंडित विश्वनाथप्रसाद मिश्र के योगदान की समीक्षा कीजिए ।
8. डॉ० रामविलास शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
9. 'आचार्य नलिन विलोचन शर्मा नयी समीक्षा के प्रवर्तक की मानिंद दिखाई देते हैं'–उनकी आलोचना दृष्टि को ध्यान में रखकर इस कथन को सत्यापित कीजिए ।
10. नयी समीक्षा और डॉ० नामवर सिंह पर एक लेख लिखिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-IX

(भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग)

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 80

***प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।***
***सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

### *खण्ड–'क'*

1. भारतेन्दु–युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।
2. लाला श्रीनिवास दास और बालकृष्ण भट्ट के साहित्यिक अवदान का परिचय दीजिए ।
3. भारतेन्दु काल के कथा साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
4. भारतेन्दुयुगीन नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
5. भारतेन्दु के आलोचना साहित्य का विवेचन कीजिए ।

### *खण्ड–'ख'*

6. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
7. द्विवेदीयुगीन उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।
8. टिप्पणी लिखिए :–
   (क) कहानीकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह
   (ख) कहानीकार विश्म्भरनाथ कौशिक
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबन्धों की विशेषताएँ बताइए ।
10. द्विवेदी युगीन आलोचना की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
## एम०ए० हिन्दी
## पार्ट-II, पत्र-X
(छायावाद् से लेकर प्रगतिवाद तक)
***वार्षिक परीक्षा, 2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. छायावाद की परिभाषा देते हुए उसकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2. छायावाद की राष्ट्रीय–सांस्कृतिक धारा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।
3. प्रमुख प्रगतिवादी कवियों की समीक्षा कीजिए ।
4. "प्रगतिवाद साहित्य को सोद्‌देश्य मानता है" – इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
5. हरिकृष्ण "प्रेमी" के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए ।
6. हिन्दी उपन्यास साहित्य पर एक लेख लिखिए ।
7. हिन्दी कहानी के इतिहास में प्रेमचन्द का स्थान निरूपित कीजिए ।
8. हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबन्धों की विशेषताएँ बताइए ।
9. प्रगतिवादी आलोचकों का परिचय दीजिए ।
10. हिन्दी के संस्मरण–साहित्य पर एक लेख लिखिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
## एम०ए० हिन्दी
## पार्ट-II, पत्र-XI
## (प्रयोगवाद और समकालीन साहित्य)
***वार्षिक परीक्षा, 2013***

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. प्रयोगवाद को परिभाषित करते हुए उसके नामकरण पर विचार कीजिए ।
2. प्रपद्यवाद क्या है? उसे नकेनवाद की संज्ञा क्यों दी जाती है?
3. आँचलिक उपन्यास से आप क्या समझते हैं? आँचलिक उपन्यासकारों का परिचय दीजिए।
4. कथा साहित्य के विकास में महिला लेखन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
5. साठोत्तरी कथा साहित्य में अभिव्यक्त यथार्थ पर विचार कीजिए ।
6. हिन्दी निबंध के क्षेत्र में अभिव्यक्त यथार्थ पर विचार कीजिए ।
7. "हिन्दी आलोचना का उत्कर्ष छायावाद-प्रगतिवाद युग के बाद हुआ ।'' इस कथन का परीक्षण कीजिए ।
8. काव्य-भाषा केन्द्रित आलोचना से आप क्या समझते हैं? उसके प्रमुख आलोचक का परिचय दीजिए ।
9. यात्रा-वृत्तांत की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए हिन्दी में लिखित प्रमुख यात्रा वृतांतों का उल्लेख कीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :-
    (क) अकविता की प्रमुख प्रवृत्तियां
    (ख) हिन्दी कथा साहित्य में स्त्रीविमर्श

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XII

## (नाटक और रंगमंच)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. नाटक के स्वरूप एवं लक्षण को स्पष्ट कीजिए ।
2. नाटिका के स्वरूप एवं लक्षणों पर प्रकाश डालिए ।
3. नाटककार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का परिचय दीजिए ।
4. 'स्कन्दगुप्त' नाटक की ऐतिहासिक पर विचार कीजिए ।
5. अभिनेयता की दृष्टि से 'स्कन्दगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए ।
6. देवसेना की चारित्रिक विशिष्टताओं का उद्‌घाटन कीजिए ।
7. आधुनिकता के संदर्भ में 'अषाढ़ का एक दिन' पर विचार कीजिए ।
8. "अषाढ़ का एक दिन" नाटक की पात्र संरचना पर विचार कीजिए ।
9. "बकरी" नाटक में अभिव्यक्त युगीन बोध का उल्लेख कीजिए ।
10. "बकरी" का प्रतीक नाटकीय संयोजन में कितना महत्व रखता है, अपने विचार लिखिए।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XIII

## (आधुनिक कथा साहित्य)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. राग दरबारी उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

2. राग दरबारी एक यथार्थवादी कृति है । कथन की समीक्षा कीजिए ।

3. 'आधुनिक हिन्दी उपन्यासों में महाभोज का स्थान' विषय पर एक लेख लिखिए ।

4. 'महाभोज' की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए ।

5. 'नीला चाँद' से आप क्या समझते हैं ? उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए ।

6. कीरत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. 'जहाँ लक्ष्मी कैद है' शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

8. 'वापसी' कहानी की कथावस्तु पर विचार करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

9. 'गुलकी बन्नो' की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए ।

10. व्याख्या कीजिए :-

    (क) नहीं कीरत, जो सामने है वह कालिमा नहीं है, सिर्फ श्वेत है, आपाद श्वेत और गहराई ऐसी कि तुम थाह भी नहीं लगा सकते । जब श्वेत अगम होता है तो साँवला दिखाई पड़ता है । ....

    (ख) जी हाँ, उसी की बदौलत तो यह सारा खेल है, वही तो इस भंडारे की चाबी है ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XIV

## (निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. हिन्दी ललित निबन्ध परम्परा का परिचय देते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
2. ललित निबन्ध के कथ्य एवं शिल्प के विविध आयामों का परिचय दीजिए ।
3. निबन्ध कला की दृष्टि से "निर्वासन और नीलकंठी प्रिया" की समीक्षा कीजिए ।
4. हिन्दी के पठित किन्हीं चार गद्य काव्यों का परिचय दीजिए ।
5. गद्य काव्य की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए "साधना" की समीक्षा कीजिए ।
6. यात्रा वृतान्त के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
7. रेखाचित्र की विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए ।
8. रेखाचित्र साहित्य के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।
9. हिन्दी लघुकथा की परम्परा एवं प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।
10. पठित किसी एक लघुकथा की समीक्षा कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XV

## (आधुनिक कथा साहित्य)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. कविता के सम्बंध में व्यक्त प्लेटो के विचारों का मूल्याकंन कीजिए ।
2. अरस्तू द्वारा प्रतिपादित 'त्रासदी' के स्वरूप को अपनी भाषा में स्पष्ट कीजिए ।
3. अरस्तू की महाकाव्य सम्बंधी अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।
4. काव्य में उदात्त तत्त्व के पोषक एवं विरोधी तत्त्वों का परिचय दीजिए ।
5. होरेस के काव्य सम्बन्धी मतों का उल्लेख कीजिए ।
6. सम्प्रेषण क्या है और सम्प्रेषण कैसे होता है ? इस स्थिति को तर्कसंगत ढ़ग से स्पष्ट कीजिए ।
7. आई० ए० रिचर्ड्स द्वारा प्रतिपादित कविता की परिभाषा की आलोचना कीजिए ।
8. इलियट के वस्तुगत समीकरण सिद्वांत पर हुए आक्षेपों की समीक्षा कीजिए ।
9. फ्रायड के मनोविश्लेषण सिद्वान्त की व्याख्या करते हुए एडलर और युंग के तत्सम्बन्धी विचारों को रेखांकित कीजिए ।
10. शैली के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

• • •

# नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

***वार्षिक परीक्षा, 2013***

## एम०ए० हिन्दी

## पार्ट-II, पत्र-XVI

## (हिन्दी भाषा की संरचना)

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 80**

***किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।***

1. भारोपिय परिवार का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसके अन्य नामों की समीक्षा कीजिए ।
2. साहित्यिक प्राकृत एवं पालि का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
3. बिहारी बोलियों का परिचय दीजिए ।
4. हिन्दी की स्वनियिक समस्याओं पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।
5. सम्बन्ध तत्व के कार्यों की विवेचना कीजिए ।
6. वाक्य और प्रोक्ति का परिचय देते हुए उनका अंतर स्पष्ट कीजिए ।
7. भारत में लिपिज्ञान की प्राचीनता एवं उत्पत्ति से सम्बन्धित विचारों की समीक्षा कीजिए ।
8. ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति विषयक सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए ।
9. देवनागरी लिपि के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।
10. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता के प्रमुख बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए ।

• • •